



# पतंजलि विश्वविद्यालय University of Patanjali

उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा पारित पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 4, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित  
Established by Uttarakhand State Legislature Under the University of Patanjali Act No. 4, Year 2006

पत्रांक (Ref.) : .....

दिनांक (Date) : 25.02.2025

## प्रेस विज्ञप्ति

### पतंजलि विवि के वार्षिकोत्सव 'अभ्युदय' के सफल आयोजन हेतु समीक्षा बैठक सम्पन्न

- जिम्मेदारी और सहयोग की भावना से कार्य करें – साध्वी देवप्रिया
- अभ्युदय की सफलता के लिए समन्वय और प्रतिबद्धता आवश्यक – प्रति कुलपति

हरिद्वार, 25 फरवरी। पतंजलि विश्वविद्यालय में आगामी 28 फरवरी से 02 मार्च को होने वाले वार्षिकोत्सव "अभ्युदय" के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए कल एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों, आयोजन समिति के सदस्यों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस आयोजन की संयोजिका साध्वी देवप्रिया ने कहा कि "अभ्युदय" न केवल विश्वविद्यालय का वार्षिक उत्सव है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है, जहां छात्र अपने कौशल, सृजनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति सदस्यों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और सहयोग की भावना से कार्य करें तथा आयोजन की सभी गतिविधियों को सुचारू रूप से संपन्न कराएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास का एक अभिन्न अंग भी है।

इस अवसर पर पतंजलि विवि के प्रति-कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल ने कहा कि "अभ्युदय" के सफल आयोजन हेतु सभी व्यवस्थापकों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण संकल्प और समर्पण के साथ करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह वार्षिकोत्सव विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और परंपराओं को और सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करने का निर्देश दिया, जिससे कि आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाया जा सके।

प्रति-कुलपति ने कहा कि इस आयोजन में सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेलकूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का समावेश किया गया है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में आयोजन के सफल संचालन के हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर उनकी जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए और कार्यक्रम की सफलता के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी से अपील की कि वे "अभ्युदय" को न केवल एक कार्यक्रम, बल्कि एक ऐतिहासिक अनुभव बनाने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।